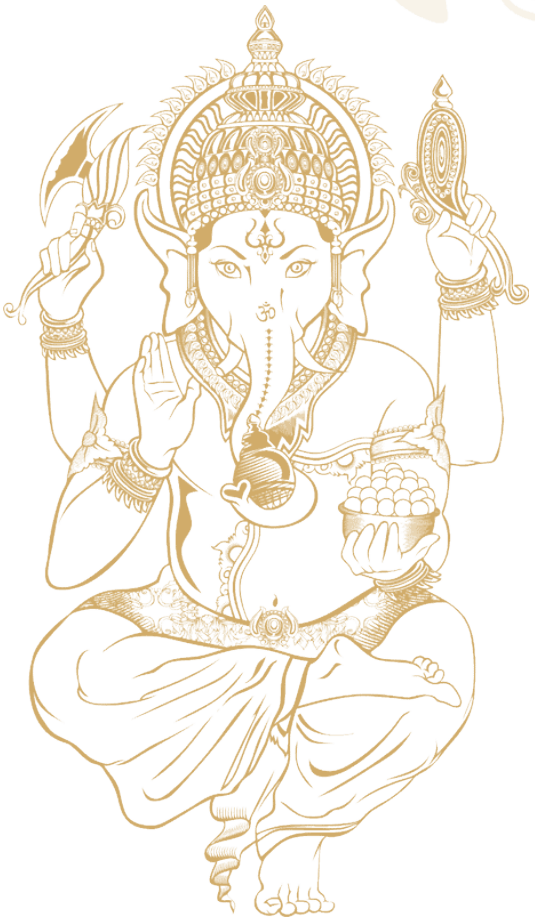

Mr.r.suri

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119179002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/12/1992	जन्म तिथि	14/03/1997
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 19:18:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 30:22:40	जन्म समय(घटी)	38:01:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Panipat
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:55	सूर्योदय	06:33:36
17:27:49	सूर्यास्त	18:29:35
23:45:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी
राहु 13वर्ष 7मा 5दि

शनि	**26/07/2022**
	26/07/2041
शनि	29/07/2025
बुध	07/04/2028
केतु	17/05/2029
शुक्र	16/07/2032
सूर्य	28/06/2033
चन्द्र	28/01/2035
मंगल	07/03/2036
राहु	12/01/2039
गुरु	26/07/2041

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	तुला	13:30:55
सूर्य	मीन	00:18:34
चंद्र	वृष	14:39:34
मंगल व	कन्या	03:59:09
बुध	मीन	03:12:44
गुरु	मक	17:52:22
शुक्र	कुंभ	25:32:16
शनि	मीन	14:24:21
राहु	कन्या	04:56:01
केतु	मीन	04:56:01
हर्ष	मक	13:27:11
नेप	मक	05:30:52
प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26

राशि	अंश
मिथु	29:25:12
धनु	04:09:37
तुला	09:55:39
कर्क व	00:55:00
वृश्चि	15:36:58
कन्या	18:28:24
मक	18:49:47
मक	21:20:43
वृश्चि	27:44:55
वृष	27:44:55
धनु	23:10:54
धनु	24:07:58
वृश्चि	00:26:05

विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि

राहु	**15/09/2010**
	15/09/2028
राहु	28/05/2013
गुरु	22/10/2015
शनि	28/08/2018
बुध	16/03/2021
केतु	04/04/2022
शुक्र	04/04/2025
सूर्य	26/02/2026
चन्द्र	28/08/2027
मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

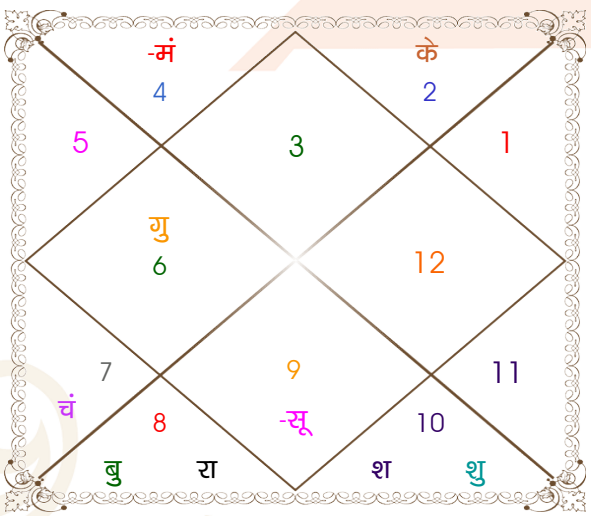

लग्न-चलित

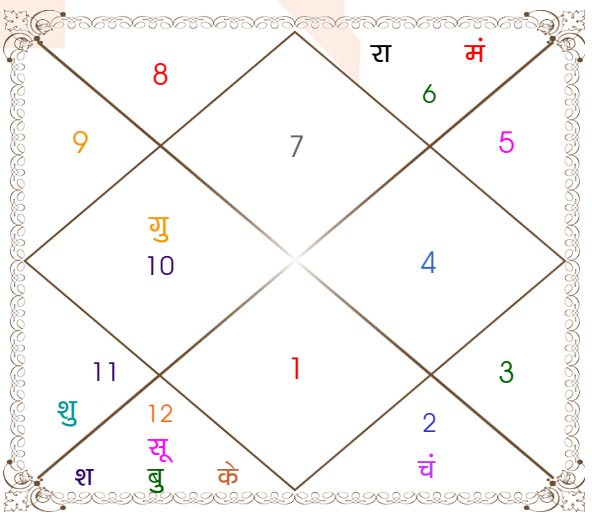

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.nirali का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr.r.suri का वर्ग मृग है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.r.suri और Ms.nirali का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.r.suri मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.r.suri कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.r.suri तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।